(b) Cases for the formation of these Telephone Advisory Committees are being processed.

(c) and (d). Telephone Advisory Committees represents various categories of interests *viz.* Trade, Commerce and Industry, Press, Medical Profession, Legal Profession, State Legislature, Members of Parliament etc.; and no representation to political parties as such is given.

श्री गंगानगर, राजस्थान में कृषि विश्वविद्यालय

1911. **श्री मनफूल सिंह चौधरी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में खाद्यान्न, तिलहन तथा अन्य फसलों का जिलावार अनुपात क्या है ;

(ख) क्या श्री गंगा नगर जिले में एक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की कोई योजना तैयार की गई है; और

(ग) क्या ग्रामीण उत्थान विद्यापीठ, संग्रिया/सेण्ट्रल स्टेट फार्म, सूरतगढ़ को कृषि विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने का विचार है ?

कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन्) : (क) खाद्यान्न फसलों, तिलहनों तथा अन्य फसलों के जिलावार उत्पादन का विवरण सभापटल पर रख दिया गया है । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए** संख्या एल० टी० —1482/80] ।

(ख) जी नहीं, श्रीमान् । राजस्थान के श्री गंगा नगर जिले में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने के किसी प्रस्ताव का हमें पता नहीं है ।

(ग) जी नहीं, श्रीमान् । विश्वविद्यालय का कृषि कम्पलैक्स राज्य की सेवा एक कृषि विश्वविद्यालय के रूप में कर रहा है । कृषि विश्वविद्यालयों पर समीक्षा समिति की यह सिफारिश है कि उदयपुर विश्वविद्यालय के कृषि कम्पलैक्स को पूर्णरूपेण कृषि विश्वविद्यालय में बदल देना चाहिए । केन्द्रीय राज्य फार्म, सूरतगढ़ पर ग्रामीण उत्थान विद्यापीठ, संगरिया को कृषि विश्वविद्यालय के रूप में बदलने के बारे में सरकार को कोई सूचना नहीं है ।

सोन चिड़िया की नस्ल का लोप होना

1912. **श्री छोटू भाई गामित** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 'नवभारत टाइम्स' दिनांक 19 अगस्त, 1980 में छपे इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि "सोन चिड़िया" नाम से जाना जाने वाला गोडावण (बस्टर्ड) पक्षी भारत में सैकड़ों वर्ष पूर्व काफी संख्या में पाया जाता था परन्तु इसके सुनहरी पंखों तथा स्वादिष्ट मांस के कारण उसकी नस्ल का लोप हो रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि यह पक्षी हाल ही में मध्य प्रदेश के उत्तरी भाग में देखा गया था; और

(ग) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार इस पक्षी की नस्ल को विलुप्त होने से बचाने के लिए कदम उठा रही है ?

कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन्) : (क) जी, हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) सरकार को "ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड" नामक पक्षी की संख्या में ह्रास होने की जानकारी है । सरकार ने इस नस्ल के संरक्षण के लिए निम्नलिखित कदम उठाये हैं :

1. "ग्रेड इण्डियन बस्टर्ड" नामक पक्षी को वन्य प्राणि (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 में शामिल किया गया है। इस पक्षी का शिकार करना अथवा मारना पूर्णतः निषिद्ध है।

2. कर्नाटक, महाराष्ट्र और राजस्थान (जहां ये पक्षियां पाये जाते हैं) के क्षेत्रों में आश्रय स्थलों की स्थापना की गई है।

3. राज्यों को निर्देश दिये गये हैं कि वे खतरे में पड़ी नस्लों की चोरी छिपे शिकार के निरोध के लिए वन्य प्राणि संगठनों को सुदृढ़ करें।

4. भारत सरकार इन पक्षियों के संरक्षण के लिए जनता को शिक्षा देने की आवश्यकता के लिए निजी संगठनों द्वारा किये जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित कर रही है।

Land of Harijans and weaker section taken by landlords

1913. SHRI K. PRADHANI: Will the Minister of RURAL RECONSTRUCTION be pleased to state:

(a) whether Central Government have asked the State Governments to come to the help of the Harijans and other weaker section whose land, have been taken away by the landlords and powerful interests in the rural areas; and

(b) if so, the names of such States from where the complaints have been received by Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BALESHWAR RAM): (a) The State Governments have been requested to ensure that the allottees of ceiling-surplus land are not disturbed in their possession and evicted therefrom either by the erstwhile owners or by other powerful interests. As for other land, protection of legitimate interests in land is also the normal function of State Governments.

(b) There are no reports of eviction on any significant scale. On receipt of a report of eviction of 1833 allottees (belonging to all communities) of ceiling-surplus land in Bihar, the matter was taken up with the State Government who reported that they had reinstated a large number of allottees and were enquiring into the other cases. A similar complaint in respect of Uttar Pradesh was promptly attended to.

News items captioned Karnal Dairy Institute Soviet team impressed

1914. DR. VASANT KUMAR PANDIT: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item appearing in the 'Economic Times' dated 26-4-1980 under the caption 'Karnal Dairy Institute—Soviet team impresed';

(b) if so, the officials of Soviet delegation, who recently visited Karnal Dairy Institute and the nature of discussion held by them with their Indian counter-parts;

(c) the extent to which India has achieved success in cross-breeding for having healthy milching animals;

(d) the details of other help assured by the U.S.S.R. Government for the development of dairy farming development in India;

(e) whether similar assistance has also been sought by Indian Government from Denmark and other Scandanavian countries; and

(f) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTON